पवित्र शास्त्र क्या कहता है ?

तुम पवित्र शास्त्र में ढूँढ़ते हो, क्योंकि समझते हो कि उसमें कि उस में अनन्त जीवन तुम्हें मिलता है, और यह वही है, जो मेरी गवाही देता है।—यूहन्ना ५:३९।

परन्तु पवित्र शास्त्र ने सब को पाप के अधीन कर दिया ताकि वह प्रतिज्ञा जिस का आधार यीशु मसीह पर विश्वास करना है, विश्वास करने वालों के लिये पूरी हो जाय। गलतियों ३:२२

इसलिये कि सबने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। रोमियों ३:२३

जैसा लिखा है, कि कोई धर्मी नहीं है, एक भी नहीं। रोमियों ३:१०।

हम तो सब के सब भेड़ों की नाईं भटक गये थे; हम में से हर एक ने अपना २ मार्ग लिया; परन्तु यहोवा ने हम सभों के अधर्म्म बोझ उसी पर लाद दिया। यशायह ५३:६।

तुम्हारा बचानेहारा

किसी धर्मी जन के लिये कोई मरे, यह तो दुर्लभ है, परन्तु क्या जाने किसी भले मनुष्य के लिये कोई मरने का भी हियाव करे। परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हाम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा। रोमियों ५:७, ८।

निश्चय वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया, और हमारे अधर्म्म के कामों के हेतु कुचला गया : हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी; ताकि उस के कोड़े खाने से लोग चंगे हो जाँए। यशायाह ५३:५।

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। यहन्ना ३:१६।

तुम्हारे लिये उसकी मुक्ति

क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है। और न कर्म्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमंड करे। इफिसियों २:८, ९।

क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनन्त जीवन है। रोमियों ६:२३

क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें। प्रेरितों के काम ४:१२

पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे ही हम ज्योति में चले, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं; और उसके पुत्र यीशु के लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है। १ यूहन्ना १:७।

बचने के लिये क्या करना है

उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पायेगा। प्रेरितों के काम १६:३१।

मैं तुम से सच सच कहता हूँ, जो मेरा बचन सुन कर मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु के पार हो कर जीवन में प्रवेश कर चुका है। यहून्ना ५:२४।